ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

28 October 2024

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन का उपयोग

सन्दर्भ: हाल ही में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) तकनीक का प्रयोग कर गंभीर रूप से संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) के एक बच्चे का जन्म हुआ। यह उपलब्धि राजस्थान के जैसलमेर स्थित सुदासरी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्रजनन केंद्र में प्राप्त की गई है। आवासीय ह्रास और पर्यावरणीय खतरों के कारण विलुप्त होने की कगार पर खड़ी इस प्रजाति के लिए यह एक नई आशा है।

- डेजर्ट नेशनल पार्क ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की अंतिम बची हुई जंगली आबादी का प्राकृतिक आवास है, जहाँ यह कार्यक्रम प्रजाति की संरक्षण रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) के माध्यम से सफलता:

- इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) तकनीक के माध्यम से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) के एक बच्चे का सफलतापूर्वक जन्म हुआ, जो इस अत्यधिक संकटग्रस्त प्रजाति के संरक्षण में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह पहला अवसर है जब इस तकनीक का उपयोग कर GIB प्रजाति के पुनरुत्थान प्रयासों को महत्वपूर्ण गति और दिशा मिली है।
- शुक्राणु संग्रहण के लिए 'सुदा' नामक नर ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) को व्यापक प्रशिक्षण दिया गया और इसे 'टोनी' नामक मादा GIB में कृत्रिम गर्भाधान के लिए प्रयोग में लाया गया।
- 'टोनी' द्वारा दिए गए अंडे से 16 अक्टूबर को एक चूजा निकला, जो इस संकटग्रस्त प्रजाति की जनसंख्या में वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई।

महत्व:

- इस सफलता के बाद संरक्षण प्रयासों में तेजी लाने हेतु शुक्राणु बैंक की स्थापना की संभावना बढ़ी है।
- जंगलों में, विशेषकर राजस्थान में, 150 से भी कम ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) बचे होने के कारण आनुवंशिक विविधता बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है।

जैसलमेर में संरक्षण प्रयास:

- सुदासरी प्रजनन केंद्र की स्थापना 2016 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के बस्टर्ड रिकवरी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में की गई थी।
- इसका उद्देश्य बंदी प्रजनन और भविष्य में जंगल में छोड़ने के लिए एक स्थायी वातावरण बनाने पर है।

बस्टर्ड रिकवरी प्रोजेक्ट के बारे में:

- इसे पांच वर्षों (2016-2021) के लिए प्रारंभ किया गया था, जिसे 2021 से 2024 तक बढ़ाया गया है।

उद्देश्य:

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) का संरक्षण प्रजनन।
- बस्टर्ड संरक्षण के प्रति हितधारकों और निर्णयकर्ताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण और वकालत।
- बस्टर्ड के अनुकूल भूमि उपयोग को प्रोत्साहित करना।

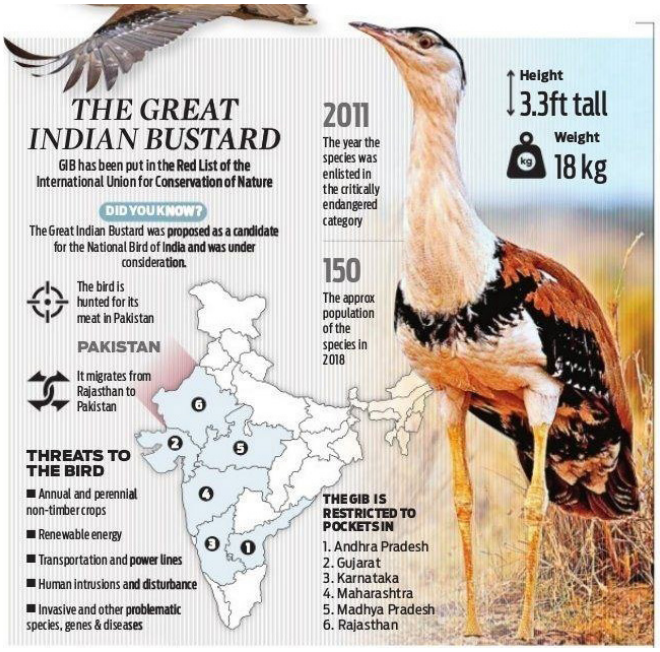

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के बारे में:

- **प्राकृतिक वास:** यह मुख्यत: राजस्थान और गुजरात में पाया जाता है, साथ ही महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी इसकी छोटी आबादी विद्यमान है।

संरक्षण की स्थिति:

- **आईयूसीएन स्थिति:** गंभीर रूप से संकटग्रस्त।
- **कानूनी संरक्षण:** भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में सूचीबद्ध और CITES के परिशिष्ट I में शामिल।
- **प्रजाति विशेषता:** यह भारतीय उपमहाद्वीप का एक स्थानिक घासस्थलीय पक्षी है।
- **जनसंख्या:** जंगलों में लगभग 150 से भी कम GIB बचे हैं, जो लगभग पूरी तरह भारत तक ही सीमित हैं।

अंतरिक्ष स्टार्ट-अप के लिए 1,000 करोड़ का फंड

सन्दर्भ: हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमता को मजबूत करने के लिए 1,000 करोड़ का उद्यम पूंजी कोष

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

बनाने की मंजूरी दी है। इस कोष का उद्देश्य अगले पाँच वर्षों में 30-35 अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिल सके और भारत वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में एक प्रमुख प्रतिस्पर्धी बन सकें।

फंड की मुख्य विशेषताएं:

विकास के लिए समर्थन:

- **वित्तीय आवंटन:** प्रत्येक चयनित स्टार्ट-अप को उनके विकास चरण और संभावित राष्ट्रीय प्रभाव के आधार पर 10 से 60 करोड़ के बीच धनराशि प्राप्त होगी।
- **उद्देश्य:** प्रारंभिक चरण की कंपनियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित समर्थन, स्केलिंग और नवाचार को सुविधाजनक बनाना।

कार्यान्वयन योजना:

- **वित्तपोषण अनुसूची:**
  - » पहले परिचालन वर्ष (2025-26) में 150 करोड़।
  - » अगले तीन वर्षों के लिए 250 करोड़।
  - » अंतिम वर्ष में 100 करोड़।
- **प्रबंधन:** पेशेवर फंड प्रबंधक वैकल्पिक निवेश फंडों के लिए सेबी की संरचनाओं का पालन करते हुए फंड की देखरेख करेंगे।

इस निधि का आर्थिक प्रभाव:

- **रोजगार सृजन:** इस फंड से भारी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।
- **विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार:** विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाएगा और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करेगा।
- **कुशल कार्यबल का विकास:** अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों के विकास को बढ़ावा देगा।
- **नवाचार को बढ़ावा:** उपग्रह और प्रक्षेपण वाहन प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देगा।

अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सहायक कारक:

- **पारिस्थितिकी तंत्र विकास:**
  - » अंतरिक्ष स्टार्ट-अप में तेजी से वृद्धि, 2024 तक लगभग 200 तक पहुंचने का अनुमान, जो 2022 में केवल एक था।
  - » यह महत्वपूर्ण सुधारों और सहायक नवाचार वातावरण को दर्शाता है।
- **सरकारी सहायता:**
  - » नये उद्यम कोष और भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 सहित सक्रिय सरकारी उपाय, निजी भागीदारी के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं।
  - » 31% एंजल टैक्स को समाप्त करने से स्टार्टअप्स पर वित्तीय बोझ कम होगा, जिससे अधिक निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।
  - » विदेशी कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अंतर्राष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करना है।
  - » मुद्रा ऋण सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने से स्टार्टअप्स को अपने विकास में उपयोग करने के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे।
- **निवेश में उछाल:**
  - » 2023 में, भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप में निवेश लगभग 124.7 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो इस क्षेत्र में निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।
- **एफडीआई प्रावधान:**
  - » अंतरिक्ष क्षेत्र में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति ने नई पहलों को आकर्षित किया है और पूंजी तक आसान पहुँच सुनिश्चित की है।

मुख्य कंपनियाँ:

प्रमुख कंपनियों में शामिल हैं:

- **पिक्सल:** उपग्रह प्रौद्योगिकियों में नवाचार।
- **ध्रुव अंतरिक्ष:** उपग्रह तैनाती पर केंद्रित।
- **स्काईरूट एयरोस्पेस:** भारत का पहला निजी तौर पर विकसित रॉकेट विक्रम -एस विकसित किया।

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था:

- वर्तमान में इसका मूल्य लगभग 8.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (6,700 करोड़) है।
- वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 2021 में 2% से बढ़कर 2030 तक 8% होने का अनुमान है तथा 2047 तक 15% का लक्ष्य है।

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

28 October 2024

उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2024

सन्दर्भ: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा प्रकाशित उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2024 वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की वर्तमान स्थिति और जलवायु संकट से निपटने के लिए आवश्यक तत्काल कार्रवाई पर प्रकाश डालती है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

वैश्विक उत्सर्जन वृद्धि:

- वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 2023 में रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुंच गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 1.3% अधिक है।

भारत का योगदान:

- भारत के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में 6.1% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक कुल उत्सर्जन में 8% का योगदान हुआ। उत्सर्जन में यह वृद्धि तेजी से बढ़ती आबादी की ऊर्जा मांगों को रेखांकित करती है।
- वार्षिक उत्सर्जन में वृद्धि की प्रवृत्ति के बावजूद, वैश्विक CO2 उत्सर्जन में भारत का योगदान तुलनात्मक रूप से कम, लगभग 3% बना हुआ है।
- उत्सर्जन में वृद्धि भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को दर्शाती है, जो अब विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2.9 टन CO2 समतुल्य (tCO2e) है, जो वैश्विक औसत 6.6 tCO2e से काफी कम है।

वैश्विक उत्सर्जन असमानताएँ:

- रिपोर्ट में उत्सर्जन में महत्वपूर्ण असमानताओं पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें कहा गया है कि G20 देश (अफ्रीकी संघ को छोड़कर) सामूहिक रूप से वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के 77% के लिए जिम्मेदार हैं।

उत्सर्जन का चरम स्तर:

- भारत, चीन और अन्य देशों में उत्सर्जन अभी चरम पर नहीं पहुंचा है। दीर्घकालिक जलवायु लक्ष्यों के लिए चरम के बाद तेजी से कमी लाने के प्रयास आवश्यक हैं।

ऐतिहासिक योगदान और जिम्मेदारी:

- भारत का उत्सर्जन बढ़ रहा है, फिर भी इसने ऐतिहासिक रूप से वैश्विक CO2 उत्सर्जन में केवल 3% का योगदान दिया है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका का योगदान 20% है। यह अंतर वैश्विक जलवायु जिम्मेदारी की जटिलताओं को रेखांकित करता है।

कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता:

- रिपोर्ट में जलवायु प्रतिज्ञाओं और वास्तविक प्रगति के बीच के अंतर को पाटने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया है, क्योंकि वैश्विक उत्सर्जन 2023 में 57.1 गीगाटन CO2 समतुल्य के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

भविष्य के लक्ष्य:

- वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए, 2030 तक उत्सर्जन में 42% की कमी करनी होगी। 2 डिग्री की सीमा के लिए भी 28% की कमी आवश्यक है।

सर्वाधिक उत्सर्जक क्षेत्र:

- बिजली क्षेत्र सबसे बड़ा उत्सर्जक बना हुआ है, इसके बाद परिवहन, कृषि और उद्योग का स्थान है। महामारी के बाद यात्रा में उछाल आने से अंतर्राष्ट्रीय विमानन उत्सर्जन में लगभग 20% की वृद्धि हुई।

महत्वाकांक्षी कटौती आवश्यक:

- 1.5°C के लक्ष्य पर बने रहने के लिए राष्ट्रों को 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 42% और 2035 तक 57% की कटौती करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा।
- बिना इन कटौतियों के, इस सदी में विश्व के 2.6-3.1°C तक गर्म होने का अनुमान है, जिसके गंभीर परिणाम होंगे।

रिपोर्ट के बारे में:

- उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जोकि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की दिशा और वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए आवश्यक स्तर के बीच के अंतर को उजागर करता है, जैसा कि पेरिस समझौते में सहमति व्यक्त की गई थी।

विश्व पोलियो दिवस

सन्दर्भ: विश्व पोलियो दिवस, हर साल 24 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो पोलियो टीकाकरण के महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। भारत ने 2014 में एक बड़ी स्वास्थ्य उपलब्धि हासिल की जब इसे पोलियो-मुक्त प्रमाणित किया गया, लेकिन हाल के मामले-जैसे कि 2024 में मेघालय में वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस का मामला-निरंतर सतर्कता की आवश्यकता को उजागर करता है।

- वैश्विक स्तर पर, पोलियो का फिर से उभरना, जैसा कि 25 साल बाद गाजा में हाल ही में देखा गया, निरंतर निगरानी के महत्व को पुष्ट करता है। ये हालिया मामले पोलियो के पुनरुत्थान को रोकने के लिए भारत की रणनीति में एक्यूट फ्लेसीड पैरालिसिस (एएफपी) निगरानी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हैं।

पोलियोमाइलाइटिस के बारे में:

- पोलियो या पोलियोमाइलाइटिस मुख्य रूप से पांच साल से कम उम्र

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

के बच्चों को प्रभावित करता है। पोलियो वायरस दूषित पानी या भोजन के माध्यम से फैलता है और पक्षाघात सहित गंभीर तंत्रिका संबंधी जटिलताओं का कारण बन सकता है।

- यद्यपि अधिकांश संक्रमण लक्षणविहीन होते हैं, कुछ मामलों में वायरस तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है, जिसके परिणामस्वरूप अपरिवर्तनीय पक्षाघात हो सकता है, विशेष रूप से पैरों में।
- कई क्षेत्रों में पोलियो उन्मूलन के बावजूद, कुछ देशों में पोलियो अभी भी स्थानिक है, खासकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान में। वैश्विक टीकाकरण प्रयासों ने पोलियो के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी की है; 1980 के दशक के उत्तरार्ध से घटनाओं में 99% से अधिक की गिरावट आई है।

एक्यूट फ्लैसिड पैरालिसिस (एएफपी) क्या है?

- एक्यूट फ्लेसीड पैरालिसिस या एएफपी, एक या एक से अधिक अंगों में अचानक कमजोरी या पक्षाघात है, जो बिना किसी आघात के होता है। पोलियोवायरस एक प्राथमिक चिंता का विषय है क्योंकि इससे अपरिवर्तनीय पक्षाघात या यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है।
- भारत में, 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एएफपी के हर मामले की पूरी तरह से जांच की जाती है ताकि यह पता लगाया जा सके कि पोलियोवायरस या अन्य स्थितियां इसमें शामिल हैं या नहीं।
- एएफपी के अन्य संभावित कारणों में गिलियन-बैरे सिंड्रोम, ट्रांसवर्स मायलाइटिस, एन्सेफलाइटिस और रीढ़ की हड्डी की चोटें शामिल हैं। एएफपी में लंगड़े, कमजोर अंग होते हैं जिनमें अक्सर दर्द नहीं होता है, जो इसे आघात-संबंधी पक्षाघात से अलग करने में मदद करता है। एएफपी मामलों की शीघ्र जांच करने से स्वास्थ्य अधिकारियों को पोलियो वायरस का तुरंत पता लगाने में मदद मिलती है, जिससे समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित होता है।

पोलियो टीके के प्रकार

- **निष्क्रिय पोलियोवायरस वैक्सीन (आईपीवी):** 1955 में डॉ. जोनास साल्क द्वारा विकसित, आईपीवी में मारे गए वायरस कण होते हैं और इसे इंजेक्शन के माध्यम से दिया जाता है। यह मजबूत प्रतिरक्षा प्रदान करता है और सभी आबादी के लिए सुरक्षित है, जिसमें कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग भी शामिल हैं।
- **ओरल पोलियोवायरस वैक्सीन (ओपीवी):** ओपीवी का विकास 1960 के दशक की शुरुआत में डॉ. अल्बर्ट सबिन ने किया था। इस वैक्सीन में कमजोर जीवित वायरस होता है और इसे मुंह के जरिए लिया जाता है। ओपीवी को देना सरल है, जिससे सामूहिक टीकाकरण अभियानों में इसे आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है । हालांकि, ओपीवी के उपयोग से वैक्सीन-संबंधित लकवाग्रस्त पोलियोवायरस (VAPP) का थोड़ा जोखिम भी होता है।

चुनौतियों से निपटने की रणनीतियाँ

- **टीकाकरण कवरेज बढ़ाना:** यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चों को पोलियो वैक्सीन की खुराक मिले। जन जागरूकता अभियान गलत सूचनाओं को दूर करने और टीकाकरण दरों में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।
- **निगरानी प्रणाली को मजबूत करना:** प्रकोप का शीघ्र पता लगाने और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एक मजबूत निगरानी प्रणाली आवश्यक है। पर्यावरण निगरानी भी वायरस को ट्रैक करने में सहायता कर सकती है।
- **सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करना:** टीकाकरण के लाभों के बारे में समुदायों के साथ बातचीत करना, विशेषकर सामुदायिक नेताओं के सहयोग से, सांस्कृतिक प्रतिरोध को दूर करने में मदद कर सकता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** सीमाओं के पार समन्वित प्रयास आवश्यक हैं, क्योंकि पोलियो उन्मूलन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वैश्विक साझेदारी को संसाधन साझाकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- **अनुसंधान एवं विकास में निवेश:** बेहतर फॉर्मूलेशन और वितरण विधियों के विकास के लिए वैक्सीन अनुसंधान में निरंतर निवेश महत्वपूर्ण है।

पॉवर पैक्ड न्यूज

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)

- हाल ही में, सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत मुद्रा ऋण सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दिया है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक नई 'तरुण प्लस' श्रेणी शुरू की गई है। इस वृद्धि का उद्देश्य मुद्रा योजना के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है, जिसमें वित्तपोषित लोगों को वित्तपोषित करना, विशेष रूप से उभरते उद्यमियों को उनके विकास और विस्तार को सुविधाजनक बनाकर लाभ पहुंचाना शामिल है।
- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई 2024 के अपने केंद्रीय बजट भाषण में इस बदलाव की घोषणा की, जिसमें उन्होंने निर्दिष्ट किया कि यह वृद्धि उन उद्यमियों पर लागू होगी, जिन्होंने

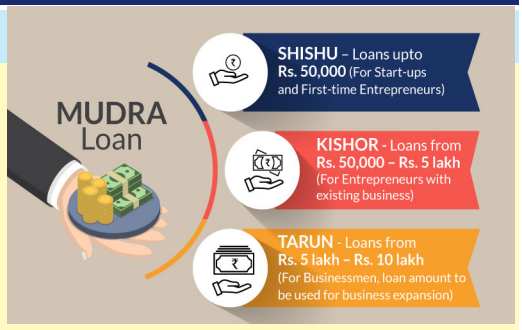

'तरुण' श्रेणी के तहत पिछले ऋणों को सफलतापूर्वक चुकाया है।

पीएमएमवाई के बारे में:

- यह योजना 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई थी, पीएमएमवाई का उद्देश्य गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को आय-उत्पादक गतिविधियों के लिए 10 लाख तक का आसान, संपार्श्विक-मुक्त माइक्रो-क्रेडिट प्रदान करना है।
- ऋण सदस्य ऋण देने वाली संस्थाओं द्वारा जारी किए जाते हैं, जिनमें बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ, माइक्रोफाइनेंस संस्थान और अन्य वित्तीय मध्यस्थ शामिल हैं। मौजूदा योजना के तहत, बैंक तीन श्रेणियों में 'शिशु: 50,000 रूपये तक किशोर: 50,000 से 5 लाख रूपये के बीच तरुण: 10 लाख रूपये तक' संपार्श्विक-मुक्त ऋण प्रदान करते हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम नवीनतम फीफा रैंकिंग में 125वें स्थान पर पहुंची

- भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने 24 अक्टूबर, 2024 को प्रकाशित नवीनतम फीफा रैंकिंग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, फीफा रैंकिंग में 125वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह बढ़त वियतनाम के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण मैच में हाल ही में 1-1 से ड्रॉ के बाद मिली है।
- नए कोच मनोलो मार्केज के मार्गदर्शन में, टीम अभी भी अपनी पहली जीत का लक्ष्य तलाश रही है, उनके आने के बाद से एक हार और दो ड्रॉ दर्ज किए हैं। इसके बावजूद, उनके प्रदर्शन के परिणामस्वरूप +0.26 अंकों की वृद्धि हुई है, जिससे टीम के कुल अंक 1133.78 हो गए हैं।
- एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) रैंकिंग में, भारत भी एक स्थान ऊपर बढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गया है। वैश्विक फुटबॉल परिदृश्य में अर्जेंटीना का नेतृत्व बना हुआ है, जो 1883.5 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है, जबकि फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड और ब्राजील शीर्ष पांच टीमों में शामिल हैं।

वेनेजुएला के विपक्षी नेताओं को यूरोप का सखारोव पुरस्कार दिया गया

- यूरोपीय संसद ने वेनेजुएला के विपक्षी नेताओं मारिया कोरिना मचाडो और एडमंडो गोंजालेज को विचार की स्वतंत्रता के लिए अपना वार्षिक सखारोव पुरस्कार प्रदान किया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वेनेजुएला के लोगों के स्वतंत्रता और लोकतंत्र के संघर्ष का प्रतिनिधित्व करने के उनके प्रयासों को मान्यता देता है।
- मचाडो और गोंजालेज वेनेजुएला में सत्ता के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और स्वतंत्र हस्तांतरण की लड़ाई में सबसे आगे रहे हैं।
- 2023 में, इस पुरस्कार को महसा अमिनी और ईरान में ष्महिला, जीवन, स्वतंत्रताष आंदोलन को दिया गया था।
- 1988 में स्थापित सखारोव पुरस्कार, मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है। इस पुरस्कार का नाम सोवियत भौतिक विज्ञानी आंद्रेई सखारोव के नाम पर रखा गया है, जो नागरिक स्वतंत्रता और स्वतंत्रता के एक प्रमुख वकील थे।

इसरो और डीबीटी के बीच समझौता ज्ञापन

- हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने अंतरिक्ष जैव प्रौद्योगिकी पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य माइक्रोग्रैविटी प्रयोगों और बायोमैन्युफैक्चरिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाना है, जो भविष्य के मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।
- शोध के प्रमुख क्षेत्रों में यह जांच करना शामिल होगा कि पूरक माइक्रोग्रैविटी में मांसपेशियों के नुकसान को कैसे कम कर सकते हैं, ऑक्सीजन उत्पादन और पोषण के लिए माइक्रोएल्गी के विकास का अध्ययन करना और साइनोबैक्टीरिया पर अंतरिक्ष की स्थितियों के प्रभावों की जांच करना। ये अध्ययन विशेष रूप से प्रासंगिक हैं क्योंकि भारत अपने गगनयान मिशन की तैयारी कर रहा है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना शामिल है।